मूल हिंदी में

भारत सरकार
पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3743
24.03.2025 को उत्तर के लिए

ऋषिकेश में प्रदूषण

3743. श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत :

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ऋषिकेश को वायु प्रदूषण मुक्त तीर्थ स्थल बनाने के लिए कोई योजना संचालित कर रही है;
(ख) यदि हां, तो इस योजना के अंतर्गत सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं और उनके कार्यान्वयन की स्थिति क्या है;
(ग) क्या सरकार ने ऋषिकेश में वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहन, उन्नत सार्वजनिक परिवहन शुरू किया है या कोई अन्य उपाय किए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(घ) क्या सरकार ने उक्त शहर में वायु गुणवत्ता की निगरानी के लिए कोई विशेष तंत्र स्थापित किया है और इसके परिणाम क्या हैं?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क) से (घ) पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफसीसी) ने जनवरी 2019 में राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) शुरू किया था, जिसका लक्ष्य उत्तराखंड के ऋषिकेश सहित वायु गुणवत्ता मानकों को प्राप्त नहीं करने वाले 130 शहरों और 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में वायु गुणवत्ता में सुधार करना था। एनसीएपी में वर्ष 2017-18 के आधार वर्ष की तुलना में वर्ष 2024-25 तक पीएम$_{10}$ सांद्रता में 20-30% की कमी लाने का लक्ष्य रखा गया है। वर्ष 2019-20 में आधार वर्ष की तुलना में पीएम$_{10}$ के स्तर में 40% तक की कमी लाने या वर्ष 2025-26 तक राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानकों (60 माइक्रोग्राम/घन मीटर) को प्राप्त करने के लिए लक्ष्य को संशोधित किया गया है।

वायु गुणवत्ता सुधार उपायों के लिए शहरी कार्य योजना के कार्यान्वयन हेतु प्रदर्शन आधारित अनुदान के रूप में वित्तीय वर्ष 2019-20 से अब तक ऋषिकेश को 9.78 करोड़ रुपये की राशि प्रदान की गई है।

एनसीएपी का क्रियान्वयन और निगरानी राष्ट्रीय (शीर्ष, संचालन, निगरानी और कार्यान्वयन); राज्य (संचालन और निगरानी); और शहर (कार्यान्वयन) स्तर पर समितियों द्वारा की जाती है। ये समितियां संबंधित कार्य योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए समन्वय निगरानी, प्रगति का मूल्यांकन और मार्गदर्शन प्रदान करती हैं। ऋषिकेश शहर के संबंध में, शहरी कार्ययोजना के कार्यान्वयन की प्रगति की समय-समय पर निगरानी करने के लिए दिनांक 06.09.2019 को जिला मजिस्ट्रेट, ऋषिकेश की अध्यक्षता में जिला स्तरीय कार्यान्वयन और निगरानी समिति का गठन किया गया है।

भारी उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा इलेक्ट्रिक मोबिलिटी प्रमोशन स्कीम 2024 (ईएमपीएस 2024) के माध्यम से इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दिया जा रहा है। वर्तमान में, ऋषिकेश में कुल 3772 ई-वाहन उपलब्ध हैं, जिनमें 2,508 सार्वजनिक परिवहन ई-वाहन और 1,264 गैर-वाणिज्यिक ई-वाहन शामिल हैं।

ऋषिकेश शहर की परिवेशी वायु गुणवत्ता की निगरानी 04 स्टेशनों (03 मैनुअल और 01 रियल-टाइम) द्वारा की जा रही है और इसका विवरण नीचे दिया गया है -

रियल टाइम	**मैनुअल**
शिवाजी नगर, ऋषिकेश	नगर पालिका परिषद
	एसपीएस हॉस्पिटल
	नटराज होटल

वर्ष 2023 के दौरान ऋषिकेश शहर की परिवेशी वायु गुणवत्ता के आंकड़े नीचे सारणीबद्ध हैं और दर्शाते हैं कि एसओ2, एनओ2 और पीएम$_{2.5}$ एनएएक्यूएस से कम पाए गए जबकि पीएम$_{10}$ एनएएक्यूएस से अधिक था।

शहर	**एसओ$_2$**	**एनओ$_2$**	**पीएम$_{10}$**	**पीएम$_{2.5}$**
ऋषिकेश	8	11	77	37

नोट: उपरोक्त सभी मान µg/m³ में हैं

*****